क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 176, शुक्रवार, 20 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रास सदस्य चंदन मित्रा ने बीजेपी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य चंदन मित्रा ने पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मैंने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन अभी मैंने यह तय नहीं किया है कि मैं कब और कहां जॉइन करूंगा। इसलिए मैं इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं कर सकता। वहीं अगर खबरों की मानें तो चंदन मित्रा जल्द ही तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को बीजेपी से अलग होने का ऐलान किया था।

हिमाचल में बारिश के बाद मनाली हुआ सबसे ठंडा

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में झमाझम बारिश ने मौसम सुहाना बना दरिया है। यहां कुछ हिस्सों में 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश हुई जिससे मनाली सबसे ठंडा स्थान बन गया। शिमला में स्थानीय मौसम विभाग के निदेशक मनमोहन सिंह ने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान मनाली में अधिकतम 28.4 मिमी बारिश हुई। कुफरी में 18 मिमी, शिमला में 10.9 मिमी और धर्मशाला में 4.4 मिलीमीटर बारिश हुई। बारिश के बाद से मनाली का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि ऊना का तापमान सबसे अधिकतम 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कश्मीर में पिछले 3 सालों में आतंकी घटनाएं बढ़ीं

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादी हिंसा में 2017 और 2016 से एक कदम आगे बढ़ते हुए 2018 के मात्र छह महीनों में 256 मामले आए हैं। बुधवार को संसद में गृह मंत्रालय द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। गृहराज्य मंत्री हंसराज गंगाराम अहीर ने राज्यसभा को बताया कि हिंसाग्रस्त राज्य में एक जनवरी से आठ जुलाई के बीच घटी 256 घटनाओं में 100 आतंकवादी, 43 सुरक्षाकर्मी और 16 नागरिक मारे गए हैं। आंक?ों में बताया गया है कि 2017 में 342 और 2016 में 322 आंतकवादी हिंसा की घटनाएं दर्ज की गई।

पीएमओ की दखल के बाद मिंटो ब्रिज पर काम शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। बारिश में मिंटो ब्रिज पर पानी न भरे, इसके लिए बुधवार से काम शुरू हो गया। दिल्ली जल बोर्ड के वाइस चेयरमैन दिनेश मोहनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय से फोन आने के बाद मिंटो ब्रिज पर बंद ड्रेन खोलने का काम शुरू हुआ। ड्रेन का काम चार-पांच दिन में पूरा हो जाएगा। काम गुरुवार तक पूरा होने की उम्मीद है। बाद में कांक्रीट के लैंटर से ड्रेन को ढका जाएगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर खिंचाई करते हुए कहा कि दिल्ली के दिल मिंटो रोड में कुछ मिनट की बारिश में बस डूब गई।

ैंक से बदमाशों ने ड़ाए 20 लाख,

बरेली (एजेंसी)। बरेली में सिविल ाइंस की आईसीआईसीआई बैंक से दनदहाड़े बदमाश कंपनी 20 लाख रुपये ेकर फरार हो गई। सीसीटीवी में 2 दमाशों की तस्वीरें कैद हो गई हैं। सएसपी, एसपी सिटी के साथ र्विलांस और फॉरेंसिक टीम ने घटना ा जायजा लिया। कोतवाली में मामले ी रिपोर्ट दर्ज की गई है। गुरुवार को ीडीपुरम की सीएमएस इन्फोटेक ाइवेट लिमिटेड कंपनी रोडवेज का 38 ाख रुपये जमा कराने सिविल लाइंस ी आईसीआईसीआई बैंक में गए थे।

नसीहत अमेरिका से भारत पहले ही बड़े पैमाने पर कच्चे तेल की खरीद कर रहा है

असमंजस की स्थिति में मोदी सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान से तेल खरीद को लेकर अमेरिका की नसीहत ने पीएम नरेंद्र मोदी को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है। यदि भारत ईरान के साथ तेल की खरीद में कमी करता है तो उसके अमेरिका के साथ कारोबारी संबंध सुधरेंगे, लेकिन दूसरी तरफ सस्ते तेल और कीमत फॉरेन एक्सचेंज का नुकसान भी उठाना पड़ेगा। इस साल मार्च तक एक साल की अवधि में भारत ने ईरान से 9 अरब डॉलर के कच्चे तेल का आयात किया।

भारत ने ईरान से 9 अरब डॉलर के कच्चे तेल का आयात किया

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पहले ही अमेरिका से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल की खरीद कर रहा है। यदि भारत ने ईरान से तेल की खरीद कम की तो उससे शिपिंग कॉस्ट बढ़ेगी और भारत पर लागत का अधिक बोझ आएगा। इसके अलावा सबसे लंबे समय तक के लिए क्रेडिट पीरियड की सुविधा भी भारत खो देगा। हालांकि इसका एक लाभ यह होगा कि अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंध नई ऊंचाई पर होंगे और खासतौर पर चीन के साथ यूएस के ट्रेड वॉर के दौर में यह खासा महत्वपूर्ण होगा।

लंदन स्थित इंटरफैक्स एनर्जी में सीनियर एनर्जी एनालिस्ट अभिषेक कुमार ने कहा, %आने वाले दिनों में ईरान पर लागू होने वाले प्रतिबंध से भारत में अमेरिकी तेल के कमर्शनलाइजेशन का सुनहरा मौका होगा।% इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच चल रहा व्यापारिक तनाव भी भारत में अमेरिकी तेल के आयात को बढ़ाने का काम करेगा। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद से ही भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए तमाम तरह के विकल्पों पर विचार कर रहा है।

ईरान- अमेरिकी फैसले के चलते भारत की ओर से ईरान से कच्चे तेल की खरीद में कमी की जा सकती है।

नशे का इंजेक्शन देकर किन्नरों ने काटा शादीशुदा का गुप्तांग, फिर घर में किया कैद

वृंदावन (एजेंसी)। किन्नरों ने नशे का इंजेक्शन लगाकर अपने साथ रह रहे शादीशुदा व्यक्ति का गुप्तांग काट दिया और घर में बंधक बनाकर रखा। पीड़ित ने घटना के पांच माह बाद किन्नरों व एक डॉक्टर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस दो आरोपी किन्नरों को हिरासत में लेकर इस संबंध में पूछताछ कर रही है। बाजना निवासी कृष्णा उर्फ कंगना ने कोतवाली में छोटी बहू, पूजा और कृष्णा निवासी गौरा नगर, हुसैना, ऑटो ड्राइवर सोनू निवासी छटीकरा, डॉ.राज निवासी फरुखाबाद के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें बताया कि वह बेरोजगार है और मंदिर और देवालयों में नाच गाकर अपना और अपने परिवार का गुजारा करता था। उसकी पत्नी व एक चार वर्ष का बच्चा गांव में परिवार के साथ रह रहे हैं।

कृष्णा की मुलाकात गौरा नगर निवासी छोटी बहू किन्नर से हुई। कभी-कभी किन्नर नाचने गाने को 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी पर ले जाते थे। किन्नर छोटी बहू ने उसे लड़कियों की तरह रहने की नसीहत दी और उसके बड़े बाल रखवाए। किन्नर उसे अपने साथ गौरा नगर स्थित घर में रखने लगे। कृष्णा उर्फ कंगना ने आरोप लगाया कि नामजद लोग भोले भाले लोगों को झांसे में लेकर उन्हें बेहोश कर गुप्तांग काट देते हैं। आठ जनवरी को नशे का इंजेक्शन लगा उसका भी गुप्तांग काट दिया और कमरे में बंधक बनाकर रखा। वहीं आरोपी किन्नर कृष्णा और पूजा का कहना है कि कृष्णा हमारी गद्दी हड़पना चाहता है। वह बाहर का रहने वाला है। उसने अपना गुप्तांग स्वयं कटावाया है व हम पर झूठा आरोप लगा रहा है। इस बारे में सीओ सदर राकेश कुमार का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। इसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

»» उमस से मिलेगी राहत

मौसम अलर्ट दिल्ली 21 से 25 जुलाई तक जमकर बरस सकते हैं बादल,

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत एनसीआर में इस सप्ताह के आखिर में मौसम फिर करवट लेने वाली है। मानसून सक्रिय होने से एनसीआर में 21 जुलाई से 25 जुलाई के बीच झमाझम बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। मानसून के पिछले महीने दस्तक देने के बाद एनसीआर में जोरदार बारिश अब तक नहीं हुई है। दिल्ली में 1 जून से 18 जुलाई के बीच कुल 145.9 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 21 प्रतिशत कम है। बारिश कम होने के कारण दिल्ली सहित नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में गर्मी और उमस का मौसम बना रहा है, लेकिन अब मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मिल रहे हैं।

स्काइमेट के मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 21 जुलाई से बारिश जोर पकड़ सकती है और 25 जुलाई तक आसमान में घने बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर झमाझम बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। राजधानी के अधिकांश हिस्सों में दिन में पारा 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया जा सकता है। पश्चिमी मध्य प्रदेश, दक्षिण छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ हिस्सों में मूसलधार बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मध्य प्रदेश के बाकी बचे हिस्सों और गुजरात क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। स्काइमेट के अनुसार, उत्तर भारत में, मध्य पाकिस्तान और पंजाब पर एक चक्रवाती सिस्टम देखा जाता है। यह सिस्टम हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश देगा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है, जिसके कारण भूस्खलन भी हो सकता है।

इस बीच, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जबकि पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। झारखंड और ओडिशा हल्की में मध्यम बारिश के आसार हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल में बारिश में कमी आने की संभावना है। इस बीच, केरल, तटीय कनार्टक और दक्षिण कोंकण और गोवा के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रह सकती है। मुंबई में भी हल्की बारिश जारी रहेगी।

सख्तः हरिद्वार से उन्नाव तक गंगा किनारे नहीं होगा निर्माण

नई दिल्ली **(एजेंसी)।** राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने गुरुवार को गंगा नदी में प्रदूषण पर सख्त रुख अख्तियार किया। एनजीटी ने हरिद्वार से उन्नाव तक गंगा के किनारे से 100 मीटर के दायरे को 'नो डेवलपमेंट जोन' घोषित करने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण के चेयरमैन जस्टिस एके गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए गंगा में हो रहे प्रदूषण पर कड़ी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा, गंगा की स्थिति आश्चर्यजनक रूप से बहुत खराब है। इस नदी की सफाई की कोशिशों के बावजूद जमीन पर उसका असर नहीं दिख रहा है।

बीजेपी वाले कौन हैं जो मुझे इस देश से भगाएंगे

हिंदू पाक के बाद थरूर का हिंदू तालिबान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस नेता शशि थरूर फिर से बीजेपी के निशाने पर आ गए हैं। पहले उन्होंने मोदी सरकार के 2019 में जीतने पर भारत के हिंदू पाकिस्तान बनने की बात कही तो अब उनका कहना है कि बीजेपी हिंदुत्व का तालिबानीकरण करना चाहती है।

बीजेपी लगातार इन बयानों के लिए थरूर, कांग्रेस और राहुल गांधी को घेर रही है लेकिन खुद थरूर इससे बेपरवाह हैं। थरूर का कहना है कि उन्होंने कोई बयान गलत नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले कौन हैं जो मुझे इस देश से भगाएंगे। मैं भी इस देश का नागरिक हूं और एक जनप्रतिनिधि होने के नाते मुझे पूरा हक है अपनी राय रखने का। हम नहीं चाहते कि यह देश पाकिस्तान जैसा देश बने। ये हिंदुत्व के लोग हमारे देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। शशि थरूर ने कहा कि ये लोग हमारे देश के स्वतंत्रता संघर्ष को खराब कर रहे हैं। पाकिस्तान के लोगों की सोच मजहब के नाम पर देश बनाने की है, लेकिन हम कभी ऐसा नहीं सोच सकते। स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल लोगों ने भी यही सोचा था कि यह देश सबके लिए होगा। हिंदू समुदाय के लोग भी यही कहेंगे कि हम चाहते हैं कि देश में सभी लोग एक साथ रहें। तो फिर बीजेपी के लोग कौन होते हैं यह बात कहने वाले कि अलग राय रखने वाला शख्स इस हिंदुस्तान में नहीं रह सकता। इस देश में एक राय नहीं बल्कि सभी राय साथ चलनी चाहिए। 1947 में जब पाकिस्तान बना, वह एक मजहब के लोगों के लिए बना। उस वक्त भारतीय नेताओं ने कभी नहीं कहा कि भारत एक मजहब का हो।

थरूर ने कहा कि सभी भारतवासियों को एक ही हक मिले और सबको जीने के एक ही अधिकार प्राप्त हों। मैं वही बात कर रहा हूं जो संविधान में लिखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को पवित्र किताब कहते हैं तो वो कहें कि हम हिंदू राष्ट्र नहीं बनाएंगे। हमारा संविधान ही देश में सर्वोपरि है और वही चलना चाहिए।

अश्विनी चौबे बोले- जाएं पाकिस्तान

अश्विनी चौबे ने कहा कि देश में रहकर कोई हिंदुत्व को गाली देता है, तो उसे पाकिस्तान चले जाना चाहिए। ऐसे लोगों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है। चौबे का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि हिंदुत्व वे ऑफ लाइफ है, इसीलिए शशि थरूर का बयान ठीक नहीं है। अश्विनी चौबे ने शशि थरूर के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के जो मुखिया बबुआ है वह भी कांग्रेस को बर्बाद करने में लगे हैं। देश को कांग्रेस मुक्त करने के प्रयास में लगे हैं। इससे पहले शशि थरूर के हिंदुत्व को लेकर दिए बयान पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने उन्हें पाकिस्तान जाने की नसीहत दे डाली और कहा कि वह खुद तालिबानी है। चौबे ने कहा कि थरूर को बताना चाहिए कि क्या वह तालिबानी हैं। अगर इस देश में रहना है तो हिंदुत्व को गाली नहीं दी जा सकती, देश को गाली नहीं दी जा सकती।

बुरहानपुर की सीमा पर केला कोल्ड स्टोरेज में धमाका,10 किमी तक सुनाई दी आवाज

इथलीन गैस सिलेंडर फटा, तीन की मौत, 200 मीटर तक उड़े चीथड़े

बुरहानपुर ■

जिले से लगे महाराष्ट्र की सीमा पर अंतुर्ली फाटे के पास चल रहे केला कोल्ड स्टोरेज फैक्टरी में इथलीन और नाईट्रोजन गैस सिलेंडर में ब्लाट होने के बाद तीन मजदूरी की मौत हो गई, वहीं दो लोग घायल हो गये। गैस सिलेंडर में हुआ ब्लाट की आवाज 10 किलो मीटर दूर तक सुनाई दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

सूचना मिलते ही मुक्ताईनगर एसडीओपी सहित महाराष्ट्र और एमपी की पुलिस मौके पर पहुंची। बम निरोधक अमले को सूचना देने के बाद लोगों को 200 मीटर दूर खड़ा कराया गया। बम निरोधक दस्ता पहुंचने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया गया।

बुधवार दोपहर 12 बजे महाराष्ट्र अंतुर्ली सीमा पर लुकमान केला कोल्ड स्टोरेज फैक्टरी में जोरदार धमाका हुआ। कोल्ड स्टोरेज पर केला फलों को पकाने का काम किया जाता है। बुधवार को फैक्टरी का सिलेंडर खत्म होने के बाद

फैक्टरी में मृत मजदूरों के शवों को देख सकते में आ गये लोग

ऑटो से इथलीन और नाईट्रोजन गैस से भरे हुए सिलेंटर को लेकर ऑटो चालक फैक्ट्री में पहुंचा था। गैस सिलेंडरों को ऑटो से निकलते समय सिलेंडर फट गया जिससे धमाका हुआ।

गैस सिलेंडर फटने की आवाज 10 किलोमीटर तक सुनाई दी। हादसें में ऑटो चालक शेख शरीफ, फैक्टरी में कार्य करने वाले मजदूर शिवाजी सलुंके निवासी अंतुर्ली, नीवृत्ती पाटील निवासी रावेर के शव के चिथड़े-चिथड़े उड़ गए। ब्लास्ट की आवाज सुनकर पहले तो लोग इधर-इधर भागने लगे। लेकिन थोड़ी देर बाद जब पता चला कि कोल्डस्टोरेज में विस्फोट तो लोग घटनास्थल की दौड़ पड़े।

मौके पर पहुंचे लोग मृत मजदूरों के शवों को देखकर सकते में आ गए। घटना के बाद मौके पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश पुलिस भी पहुंच गई। एम्बुलेंस के माध्यम से घायलों को जलगांव अस्पताल रवाना किया गया।

बम निरोधक दल को बुलाया 200 मीटर दूर रहे लोग

फैक्टरी में गैस सिलेंडर फटने की खबर मिलते ही महाराष्ट्र मुक्ताईनगर के एसडीओपी सुभाष नेवे,अंतुर्ली थाना प्रभारी सहित फैक्ट्री मालिक शेख लुकमान मौके पर पहुंचे। घटना स्थल देखने के बाद फैक्ट्री मालिक बेहोश हो गया। फैक्ट्री में रखे अन्य सिलेंडर भी फटने का खतरा देखकर लोगों को 200 मीटर दूर रखा गया। वहीं मलकापुर जलगांव बम निरोधक दल को सूचना देने के बाद मौके पर बुलाया गया। बम निरोधक दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया। हादसे में घायल हुए मजदूरों को उपचार के लिए रवाना करने के बाद, तीन मृतकों के शवों को एकत्रित कर पोस्टमार्टम के लिए रावेर रवाना किया गया। सिलेंडर इतनी जोरदार फटा की फैक्ट्री की छत सहित कॉलम भी टूट गए थें। वहीं शव के अंग अलग-अलग पड़े हुए थे। फैक्टरी में ब्लाट होने के बाद तीन मजदूरों मौत की खबर मिलते ही रावेर सांसद रक्षा खड़से भी मौके पर पहुंच गईं।

जगदीशपुर गांव के पास छात्रा से तीन युवकों ने छेड़खानी शुरू कर दी। छात्रा ने अपनी साइकिल छोड़कर भागने की कोशिश की तो दो युवकों ने उसे दबोच लिया और खींचते हुए खेत में ले गए। उसके कपड़े भी फाड़ दिये। इस दौरान एक युवक वीडियो भी बनाता रहा। छात्रा की चीख सुनकर आसपास के लोगों को जुटता देख तीनों भाग निकले।

12वीं की छात्रा से गैंगरेप की कोशिश, वीडियो हुआ वायरल

जंघई (जौनपुर) (एजेंसी)। मीरगंज थाना क्षेत्र में 12वीं छात्रा को सरेराह खेत में खींचकर तीन युवकों ने रेप की कोशिश की और वीडियो भी बनाते रहे। छात्रा के विरोध करने और चीख-पुकार मचने पर लोगों को जुटता देख तीनों भाग निकले। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ पाक्सो के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, पुलिस ने दावा किया कि वायरल वीडियो देखने के बाद खुद कार्रवाई करते हुए आरोपितों को शिकंजे में लिया गया। मीरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की छात्रा बुधवार की शाम बाजार से अपने घर लौट रही थी। जगदीशपुर गांव के पास छात्रा से तीन युवकों ने छेड़खानी शुरू कर दी। छात्रा ने अपनी साइकिल छोड़कर भागने की कोशिश की तो दो युवकों ने उसे दबोच लिया और खींचते हुए खेत में ले गए। उसके कपड़े भी फाड़ दिये। इस दौरान एक युवक वीडियो भी बनाता रहा। छात्रा की चीख सुनकर आसपास के लोगों को जुटता देख तीनों भाग निकले। छात्रा किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। डरे सहमे परिजन पुलिस तक नहीं पहुंचे लेकिन वायरल हो चुका वीडियो पुलिस तक पहुंच गया। वीडियो देखते ही मीरगंज के थानाध्यक्ष पन्नालाल भी सक्रिय हुए। वीडियो में दिखी एक गाड़ी के नंबर के आधार पर छानबीन शुरू की। कुछ घंटे में ही छात्रा तक भी पहुंच गए। छात्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया।

थानाध्यक्ष पन्नालाल ने बताया कि युवती की तहरीर पर जगदीशपुर गांव निवासी राहुल कुमार उर्फ सचिन, सल्लू और आदित्य के खिलाफ पाक्सो समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। परिजनों के अनुसार कई महीनों से तीनों छात्रा को परेशान कर रहे थे।

संपादकीय

अविश्वास से उम्मीद

हमेशा ऐसा नहीं होता। विपक्ष जब भी सरकार के खिलाफ सदन में अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की बात करता है, सत्ता पक्ष उसके विरोध में जुट जाता है। कोशिश यही होती है कि ऐसा प्रस्ताव पेश न हो सके। भले ही सरकार गिरने का कोई खतरा न हो, तब भी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। मानसून सत्र शुरू होते ही एक तरफ विपक्षी दलों की तरफ से अविश्वास प्रस्तावों की बाढ़ आ गई, तो दूसरी तरफ इसे रोकने के कोई प्रयास नहीं थे। जैसे अचानक ही यह ऐसा प्रस्ताव बन गया, जिसकी पक्ष और विपक्ष, दोनों को ही जरूरत हो। तेलुगू देशम पार्टी, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी समेत कई दलों ने अपनी-अपनी तरफ से प्रस्ताव पेश कर दिए। किसका प्रस्ताव स्वीकृत होना चाहिए, यह भी चर्चा का विषय बन गया। सबसे बड़े दल का हो, या जिसका प्रस्ताव सबसे पहले मिला, उसका? फैसला लॉटरी से करने की भी बात आई। लेकिन यह महत्वपूर्ण नहीं था, महत्वपूर्ण था भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आया बयान। संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार ने कहा कि हम अविश्वास प्रस्ताव का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। माना यही जाता है कि अविश्वास प्रस्ताव संख्या बल का मामला होता है। लेकिन यहां वह बात भी नहीं है। लोकसभा का बहुमत किस तरफ है, इसमें किसी तरह का कोई शक ही नहीं है। विपक्षी दल शिव सेना से थोड़ी-बहुत उम्मीद कर सकते थे, लेकिन उसने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। भाजपा से उसकी नाराजगी साफ है, लेकिन वह आमने-सामने की लड़ाई लड़ने के मूड में नहीं नजर आ रही। और तो और लंबे समय से भाजपा का विरोध कर रहे बीजू जनता दल ने भी विपक्ष के साथ कदम मिलाने का मन नहीं बनाया है। लेकिन संख्या चर्चा का मुद्दा नहीं है। अविश्वास प्रस्ताव का पक्ष और विपक्ष, दोनों ही लॉन्च पैड की तरह इस्तेमाल करना चाहते है, जहां से अगले आम चुनाव के प्रचार की डुगडुगी पीटी जाएगी। विपक्ष तो इसे मौका मान ही रहा है, भाजपा के लिए भी यह एक अच्छा मौका है। उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि पूरा विपक्ष एकजुट होकर अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला रहा। इससे चुनाव का एक मुद्दा तो भाजपा के लिए यहीं से शुरू हो गया है कि विपक्ष में एकता नहीं है और सबके सुर अलग-अलग चल रहे हैं। संख्या उसके पास नहीं है, यह बात विपक्ष को भी पहले से ही पता है। विपक्षी दल अविश्वास प्रस्ताव सरकार को गिराने के लिए नहीं, बल्कि उसे कठघरे में खड़ा करने के लिए ला रहे हैं। बाकी संसदीय बहसों में तो बात अक्सर हो-हल्ले में निपट जाती है, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव पर ऐसा नहीं हो सकेगा और सरकार को जवाब देना पड़ेगा। उसकी रणनीति यह रहेगी कि सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए संसद के मंच का इस्तेमाल करे। मॉब लिंचिंग समेत ऐसी बहुत सी घटनाएं हैं, जिस पर विपक्ष का मानना है कि सरकार को घेरा जा सकता है। लेकिन दूसरी तरफ सरकार इस आत्मविश्वास से लबालब दिख रही है कि जो भी सवाल उठाए जाएंगे, उनका वह इतनी अच्छी तरह जवाब दे पाएगी कि अगले आम चुनाव का समां बंध जाए। कुछ भी हो, अविश्वास प्रस्ताव ने 16वीं लोकसभा के अंतिम मानसून सत्र को काफी दिलचस्प बना दिया है। अगर यह प्रस्ताव न आता, तो यह सत्र भी शायद बहिर्गमन के लिए जाना जाता, अब कम से कम यहां कुछ बहस तो होगी।.

कांग्रेस की नई टीम

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की बागडोर थामने के करीब सात महीने बाद नई कार्यसमिति का गठन कर दिया। इसी साल मार्च में हुए कांग्रेस महाधिवेशन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर नई कार्यसमिति के गठन के लिए राहुल गांधी को अधिकृत किया गया था। कार्यसमिति पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई है और पार्टी के सभी अहम मामलों पर यही फैसला लेती है। नई कार्यसमिति में 23 सदस्य, 18 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 10 आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं। नई टीम के गठन में युवा वर्ग को तरजीह दी गई है। यही वजह है कि ज्यादातर सदस्य 50 साल से कम के हैं। हालांकि अनुभवी नेताओं को शामिल कर इस बात का संतुलन साधने की भरसक कोशिश की गई है कि पार्टी की बेहतरी के लिए उनके सुझावों, नीतियों और रणनीति पर अमल किया जाएगा। हां, यह जरूर सवाल उठता है कि पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के कई करीबी नेताओं को कार्यसमिति से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। कर्ण सिंह, ऑस्कर फर्नांडीस, बीके हरिप्रसाद, सुशील कुमार शिंदे, एम वीरप्पा मोइली, जर्नादन द्विवेदी, सीपी जोशी अब कार्यसमिति के सदस्य नहीं हैं। चकित करने वाली बात यह है कि बिहार, पश्चिम बंगाल और गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से कोई नुमाइंदगी नहीं है। जबकि इन राज्यों में लोक सभा की कुल 121 सीटें हैं। वहीं मुस्लिम नेताओं की मौजूदगी भी बहुत कम (सिर्फ तीन) है। जबकि मुस्लिम महिला की नुमाइंदगी शून्य है। यह हाल तब है जब पार्टी कथित मुस्लिम प्रेम के मसले पर भाजपा के निशाने पर है। हां, कार्यसमिति में मल्लिकाजरुन खडगे, कुमारी शैलजा, मुकुल वासनिक और पीएल पुनिया के रूप में दलित समुदाय की बेहतर भागीदारी दिखती है। कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे युवा अध्यक्ष आगामी लोक सभा चुनाव और इसी साल होने वाले भाजपा शासित तीन राज्यों-मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़-को लेकर संजीदा है। यहां कांग्रेस का बहुत कुछ दांव पर लगा है। राहुल की अग्निपरीक्षा भी आने वाले चुनावों में होने वाली है। देखना है, 22 जुलाई को आहुत कार्यसमिति सदस्यों के अलावा प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठकर राहुल भाजपा को घेरने के लिए कौन सी रणनीति अपनाते हैं?

कटाक्ष/ सहीराम

दिल्ली की नई पहचान

दिल्ली की पहचान क्या है जी? बताइए उसका ट्रेडमार्क क्या है? लाल किला या कुतुबमीनार। जी, नहीं ये पुरानी पहचानें हैं। नई पहचान है-मिंटो ब्रिज के नीचे पानी में डूबती हुई बस। वैसे तो दिल्ली में हर चीज पर पहला दावा लाट साहब का ही बनता है साहब। पर अगर मुबाबले में मुख्यमंत्री न हों तो वे भी पीछे भी हट सकते हैं। वैसे भी अदालत उन्हें सुपरमैन का दरजा दे चुकी है। अब उन्हें निश्चिंत हो जाना चाहिए। क्योंकि अदालत जिसे नीरो कह देती है, वह प्रधान सेवक बन जाता है तो आप अंदाज लगा सकते हैं कि जिसे सुपरमैन कह दिया वह कहां तक पंहुचेगा। बस गनीमत यही है कि अभी तक वे सेवक बनने की होड़ में नहीं हैं। अभी तो वे सेवकों को होड़ से बाहर करने में ही लगे हुए हैं।खैर, अभी उनका ऐसा दावा नहीं है कि दिल्ली की नई पहचान वही होंगे, और कोई नहीं। इसलिए दिल्ली की नयी पहचान मिंटो ब्रिज के नीचे पानी में डूबी हुई बस हो सकती है, बल्कि हो गई है। दिल्ली में बारिश के दिन की कोई तस्वीर छपे और उसमें मिंटो ब्रिज के नीचे डूबती हुई बस न हो, यह हो नहीं सकता। वह बीस साल पहले भी इसी तरह डूबती थी, हो सकता है और पहले भी ऐसे ही डूबती रही हो, और आज भी वैसे ही डूबती है। पर जब तक बारिश है और बसें हैं तब तक यह पहचान कायम रहेगी। वैसे तो बारिश में मुंबई भी खूब डूबती है और जी भरकर डूबती है। पर ऐसी कोई पहचान उसकी नहीं है। दिल्ली में सब कुछ हुआ, मेट्रो चल गई, एक्सप्रेस वे बन गए। मॉल खड़े हो गए। बड़े-बड़े शॉपिंग सेंटर बन गए, पर मिंटो ब्रिज के नीचे बस, जब ये सब नहीं था, तब भी डूबती थी और आज भी डूबती है और आगे भी डूबती रहेगी। अच्छी बात यह है कि दिल्ली में ज्यादा बारिश नहीं होती। वरना मिंटो ब्रिज के नीचे डूबी हुई बस को बाकायदा एक म्यूजियम की शक्ल दी जा सकती थी। दिल्ली में बारिश से कूड़ा-कचरा ज्यादा आम है। वह राजनीति के भी काम आता है। अगर कचरा न हो तो राजनीति क्या है? पर अब बारिश भी उससे होड़ लेने लगी है। मुंबई के मुकाबले तो वह खड़ी हो ही गई है। अदालत भी अभी तो कचरे को लेकर ही चिंतित है, पर हो सकता है एक-दो साल में वह बारिश को लेकर भी चिंतित हो जाए और तब लाट साहब को सुपरमैन जैसी कोई और उपाधि मिल जाए।

कच्चे तेल का राजनीतिक गणित

सौरभ चंद्र , पूर्व पेट्रोलियम सचिव भारत सरकार

समीकरण तो उसी समय बदल गए थे, जब दो माह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की थी कि उनका देश ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते से बाहर निकल रहा है। तेहरान को घुटनों पर लाने के लिए जिस हथियार के इस्तेमाल का प्रस्ताव रखा गया, वह है उस पर फिर से आर्थिक प्रतिबंध लगाना। जाहिर है, इसका लक्ष्य ईरान द्वारा किए जा रहे कच्चे तेल के निर्यात को पूरी तरह रोकना तो नहीं, पर काफी हद तक कम करना है।

ईरान से होने वाले निर्यात में आधे से अधिक हाइड्रोकार्बन यानी पेट्रोलियम उत्पाद ही हैं। ईरान प्रतिदिन करीब 22 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है, जिसमें से लगभग 20 लाख बैरल वह रोजाना निर्यात करता है। इसलिए आकलन यही है कि निर्यात पर चोट करने से वह बुरी तरह प्रभावित होगा। पहले से ही आर्थिक मुश्किलों से जूझ रहे इस मुल्क को अपनी शर्तों पर राजी करने का यह सबसे प्रभावी कदम माना जा रहा है। कयास यह भी है कि इससे सऊदी अरब को खासा महत्व मिलेगा, जो अमेरिका का विश्वसनीय सहयोगी है और पश्चिम एशिया की दबंग राजनीति में ईरान का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी। ईरान से कच्चा तेल आयात करने वालों में चीन और भारत प्रमुख हैं।

ये दोनों देश ईरान के कुल निर्यात का करीब आधा तेल खरीदते हैं। इसलिए ईरान पर प्रस्तावित एकतरफा प्रतिबंधों का इन दोनों देशों पर सबसे अधिक असर होने का अंदेशा है।

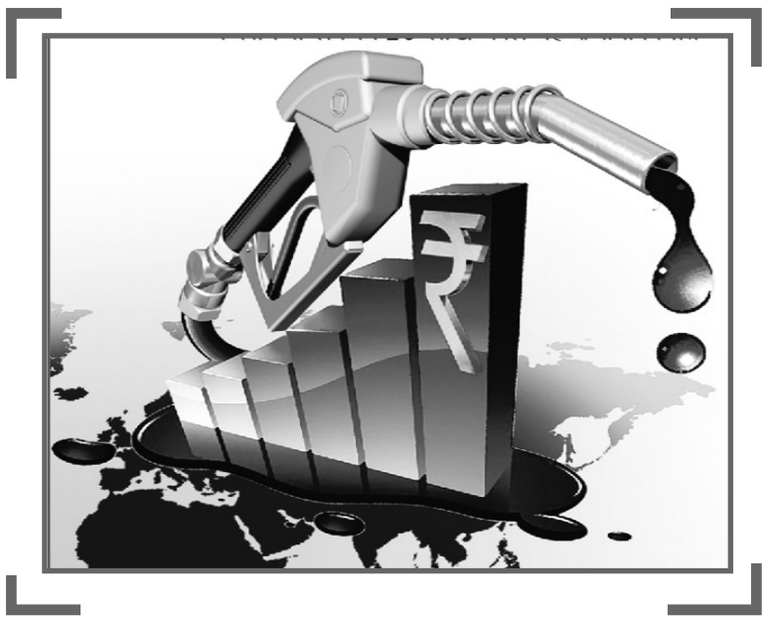

> अमेरिका ने ईरान पर पाबंदी बहाल कर पेट्रोलियम के बाजार की अस्थिरता को बढ़ाने के साथ ही भारत और चीन के लिए समस्या खड़ी कर दी है।

जाहिर है, इसने हमारे नीति-निर्माताओं की परेशानी बढ़ा दी होगी। उनके लिए सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इन प्रतिबंधों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर किस हद तक असर होगा? अगर रोक लगी, तो अनिश्चितता बढ़ेगी ही। ऐसी संभावना दूर-दूर तक नहीं दिखती कि सऊदी अरब और अन्य तेल निर्यातक देश फौरी जरूरतों के मद्देनजर नवंबर, 2018 तक (प्रतिबंध के प्रभावी होने का संभावित समय) अपना उत्पादन 20 लाख प्रति बैरल रोजाना करने में सक्षम हो जाएं। फिर, सऊदी अरब द्वारा दबदबा कायम करने का विरोध ईरान और उनके सहयोगियों द्वारा किए जाने से क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ सकता है। कीमतों का ऊपर-नीचे होना अस्थिरता का स्वाभाविक परिणाम माना जाता है। ताजा मामले में तेल के दाम बढ़ने की ही आशंका है, क्योंकि चीन व भारत वैश्विक स्तर पर जब तेल खरीदने निकलेंगे, तो इसके कारण आपूर्ति पर दबाव पड़ना तय है। कच्चे तेल की ऊंची कीमत भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों और भारत सरकार के बजटीय गुणा-भाग को प्रभावित करेगी। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से अधिक तेल आयात करता है।

अगर वैश्विक बाजार में इसकी कीमतें बढ़ीं, तो व्यापार घाटा बढ़ना तय है। हालिया कुछ वर्षों को देखें, तो यह जरूरी नहीं है कि निर्यात में वृद्धि के अनुपात में आयात बिल में भी बढ़ोतरी हो। पूंजीगत खाते में आने वाले पैसे व्यापार के विस्तार और चालू खाते के घाटे की भरपाई शायद ही कर सकें। इसके लिए विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च करने की जरूरत होगी, जिससे पहले से ही दबाव में चल रही रुपये-डॉलर की विनिमय दर यानी एक्सचेंज रेट और बढ़ेगी। इसके अलावा, तेल की बढ़ी कीमतें मुद्रास्फीति यानी महंगाई पर भी असर डालेगी और बढ़ी हुई एलपीजी (घरेलू गैस) व किरोसीन तेल सब्सिडी बिल से पार पाना सरकार के लिए खासा मुश्किल हो जाएगा। इससे पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क व वैट कम करने का दबाव भी बढ़ेगा। जाहिर है, यह सब कुछ चुनावी वर्ष में केंद्र व राज्य, दोनों सरकारों के वादों का इम्तिहान बन जाएगा।

इस परिस्थिति में भारत आखिर क्या कर सकता है? हर मुल्क अपने हितों के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। हालांकि हमारी घोषित नीति यही है कि हम एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देते, फिर भी यह हमारे लिए फायदे की बात होगी कि हमें अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मिले। यदि छूट नहीं मिली, तो भारतीय कंपनियां ईरान से कच्चे तेल का आयात करने में शायद ही उत्सुक होंगी। यदि वे आयात करती भी हैं, तो उन पर अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से बाहर किए जाने का खतरा होगा। ऐसा पहले किया भी गया है। लिहाजा एक अच्छी रणनीति यही हो सकती है कि इस मसले पर हम चीन के साथ मिलकर आगे बढ़ें। कच्चे तेल की कीमतें क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक होती हैं। इसमें तेजी आने से अमेरिकी तेल के दाम भी बढ़ेंगे। चूंकि नवंबर, 2018 में अमेरिका में हाउस ऑफ रिप्रजेन्टेटिव्स (संसद का निचला सदन) का चुनाव होना तय है, इसलिए हम राष्ट्रपति ट्रंप की कारोबारी समझ के आधार पर अपने लिए आर्थिक प्रतिबंधों से कुछ छूट प्राप्त कर सकते हैं।

हमें आकस्मिक योजना भी बनानी होगी। गैर-मौद्रिक कारोबार यानी वस्तुओं के आदान-प्रदान वाली व्यवस्था बतौर विकल्प अपनाई जा सकती है। इस रणनीति में हमें आयात प्रबंधन पर खासा जोर देना होगा। साथ ही, व्यापार घाटे में वृद्धि को रोकने के लिए निर्यात बढ़ाने संबंधी उपायों पर भी अमल करने की जरूरत होगी। हमें निर्यातकों की मुश्किलों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करना होगा। ईरान से आने वाले तेल के शोधन में लगी भारतीय कंपनियों के लिए इस ग्रेड के तेल का दूसरा स्रोत ढूंढ़ना काफी दुरूह काम होगा। इसलिए हमें अलग-अलग स्रोतों से तेल मंगवाने की व्यवस्था करनी होगी, जो इस मसले का एक आजमाया समाधान है।

इसी तरह, घरेलू मांग का उचित प्रबंधन भी हमें करना चाहिए। भारत जैसे देश में, जिसकी बिजली उत्पादन क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाता, वहां तरल ईंधन द्वारा ऊर्जा उत्पादन पर जोर देना किसी विलासिता से कम नहीं है। इसे दूर करने के लिए बिजली उत्पादन करने वाली तमाम कंपनियों की कार्य-प्रणाली में सुधार लाना होगा। वैसे देखा जाए, तो यह मूल रूप से शासन से जुड़ा मसला है। खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों को चेताने के साथ ही जरूरी यह भी है कि सिंचाई पंपों के लिए सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जाए।

कच्चे तेल के बाजार की अस्थिरता उसका एक अटल सत्य है। दुर्भाग्य से राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले ने इस अस्थिर बाजार की अस्थिरता और बढ़ा दी है। लिहाजा इस फैसले से पैदा होने वाले प्रतिकूल हालात से निपटने के लिए हमें तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

नजरिया

क्या टीम इंडिया पर भारी पड़ रहे हैं नित नए प्रयोग

शिवेंद्र कुमार सिंह

अगले साल इंग्लैंड में ही विश्व कप खेला जाना है। इसी बात को ध्यान में रखकर दुनिया भर की टीमें एक दिवसीय क्रिकेट में लगातार प्रयोग कर रही हैं। विराट कोहली ने भी हाल में हुई सीरीज से पहले ही कह दिया था कि वह इंग्लैंड में लगातार प्रयोग करते रहेंगे। उन्होंने प्रयोग किए भी। उन प्रयोगों का कोई दूरगामी फायदा भले ही न दिखा हो, लेकिन तात्कालिक नुकसान जरूर हो गया। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1 से हार गई। किसी ने सोचा नहीं था कि पहले मैच में करीब 10 ओवर रहते ही आठ विकेट से बड़ी जीत हासिल करने के बाद टीम इंडिया की हालत ऐसी होगी। इंग्लैंड ने दूसरा वनडे 86 रन से जीता और तीसरा आठ विकेट के बड़े अंतर से। आखिरी दोनों मैचों में हार का बड़ा अंतर बताता है कि मैच में भारतीय टीम कभी थी ही नहीं। ऐसे में कप्तान के साथ ही ये प्रयोग भी कठघरे में खड़े हो गए हैं।

क्या उन प्रयोगों की जरूरत थी? ऐसा तो नहीं कि प्रयोग होना कहीं और चाहिए, और हो कहीं और रहा है? ऐसे बहुत सारे सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जवाब ढूंढ़ने से पहले यह समझना होगा कि विश्व कप से पहले दुनिया भर की टीमें इतने प्रयोग करती क्यों हैं? प्रयोग के पीछे की सोच सिर्फ इतनी नहीं होती है कि विश्व कप में 15 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टीम में जगह मिले, बल्कि यह भी रहती है कि किस खिलाड़ी को उसके नियमित रोल से अलग और क्या-क्या नई जिम्मेदारी दी जा सकती है? 2003 के विश्व कप में सौरव गांगुली ने राहुल द्रविड़ से विकेट कीपिंग कराई थी। उन्होंने जवागल श्रीनाथ को संन्यास का ऐलान करने के बाद वापसी के लिए

तैयार किया था। नतीजा यह था कि भारतीय टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया था।

विराट भी कुछ ऐसा ही करना चाहते हैं। वह टीम इंडिया को 'अनप्रेडिक्टेबल' टीम बनाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि विरोधी टीम उनके खिलाफ कोई सेट रणनीति न बना पाए। वह खुद भी कई बार यह कह चुके हैं। इसी सोच से तीसरे वनडे में उन्होंने केएल राहुल को 'ड्रॉप' कर दिया। केएल राहुल ने टी-20 सीरीज में सैकड़ा जड़ा था। वनडे सीरीज के पहले मैच में जब तक वह क्रीज पर उतरे, टीम इंडिया मैच लगभग जीत चुकी थी। दूसरे मैच में वह नहीं चले। मुमकिन है कि विराट कोहली ने केएल राहुल को भरोसे में लेकर उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बिठाया हो, लेकिन यह फैसला ठीक नहीं रहा। केएल राहुल सिर्फ 26 साल के हैं। उनके पास 'टैलेंट' है। वह टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलने की काबिलियत रखते हैं। अगर वह कप्तान कोहली की 2019 विश्व कप की योजनाओं में हैं, तो उन्हें ज्यादा से ज्यादा मैच खिलाने चाहिए। उन्हें बाहर बिठाने से भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम बदल गया।

इसके अलावा दिनेश कार्तिक को ऊपर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया। और एक बार फिर वह अपनी उपयोगिता साबित करने में नाकाम रहे। इन्हीं प्रयोगों के चक्कर में सुरेश रैना का बल्लेबाजी क्रम बिल्कुल ही उलट-पुलट हो गया। महेंद्र सिंह धौनी रैना से पहले बल्लेबाजी करने आए। नतीजा यह रहा कि दिग्गज बल्लेबाजों से सजी भारतीय टीम सहज दिखी ही नहीं।

सीरीज शुरू होने से पहले ही यह चर्चा हो रही थी कि विराट कोहली कहीं नंबर तीन का अपना बल्लेबाजी क्रम केएल राहुल को न सौंप दें। टी-20 में वह ऐसा कर भी चुके थे। गनीमत है कि उन्होंने वनडे में यह प्रयोग नहीं किया। यह वक्त है, जब विराट कोहली को समझना होगा कि टीम इंडिया में ज्यादा प्रयोग की गुंजाइश है ही नहीं। ले-देकर नंबर चार का बल्लेबाजी क्रम है, जो प्रयोग के दायरे में आता है। इस 'पोजीशन' पर प्रयोग करने के लिए जरूरी है कि किसी खिलाड़ी को वाजिब मौका मिले। बहुत नियमित अंतराल पर विकल्पों को आजमाने में फायदा नजर नहीं आता। भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर पिछले लंबे समय से 'क्लिक' नहीं कर रहा है। ऐसे में, प्रयोग की बजाय टीम के मध्यक्रम पर स्थायित्व लाने और खिलाड़ियों को उनका रोल दोबारा समझाने का वक्त आ गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले कुछ साल में भारतीय टीम के कुल रनों में मिडिल ऑर्डर का योगदान सिर्फ बीस फीसदी के आस-पास है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

कुमारस्वामी

मेरा दर्द न जाने कोय

बी. शेखर

एक माह पुराना कांग्रेस-जनता दल सेक्युलर (जद एस) गठबंधन मजबूती पकड़ने से पूर्व ही ढीला पड़ने लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के बीच ''खतोकिताबत' की राजनीति से कांग्रेस और जद एस में अनबन पैदा हो गई है। सिद्धारमैया गठबंधन समन्वय प्रकोष्ठ का अध्यक्ष होने के नाते मांग कर रहे हैं कि 2 प्रतिशत का पेट्रोलियम उपकर खत्म किया जाए तथा राशन के चावल की मात्रा सात किग्रा. की जाए जिसे 2018-19 के लिए घोषित बजट में हटा दिया गया। इन मांगों को कुमारस्वामी ने अनदेखा कर दिया। सिद्धारमैया ने स्थानीय अध्यक्ष नियुक्त करने की मांग की है, जिसके प्रति भी कुमारस्वामी का रवैया ठंडा है। अनबन इस कदर बढ़ गईहै कि कुमारस्वामी को वस्तुस्थिति से कांग्रेस हाई कमान को अवगत कराना पड़ा (जब वे दिल्ली दौरे पर पहुंचे थे)। उन्होंने कांग्रेस हाई कमान को साफ कर दिया कि गठबंधन की सरकार बने रहने के लिएसिद्धारमैया को हटाया जाना जरूरी हो गया है। समझा जाता है कि हाई कमान ने इस बात को गंभीरता से लिया है।

दरअसल, हाई कमान को कांग्रेस के नेताओं से भी ऐसी शिकायतें मिलती रही हैं कि सिद्धारमैया अभी भी कर्नाटक के मुख्यमंत्री जैसा आचरण कर रहे हैं। सिद्धामरैया पर गाज गिर सकती है क्योंकि कांग्रेस के लिए उनकी उपयोगिता अब नहीं रह गई है। हाल के समय में कुमारस्वामी बार-बार कहते रहे हैं कि राज्य में गठबंधन की सरकार चलाना बेहद मुश्किल है क्योंकि विभिन्न हलकों से उनकी टांग खिंचाई हो रही है। कुमारस्वामी ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि ''लोग गुलदस्ते लिए मुझे शुभकामना देने को उमड़ आते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनका भाई मुख्यमंत्री बन गया है, इससे वे खुश हैं, लेकिन मैं खुश नहीं हूं। मुझे गठबंधन सरकार की पीड़ा का पता है। मैं वेंकट (भगवान शिव) हो गया हूं, जो इस सरकार की पीड़ा झेल रहा है।'

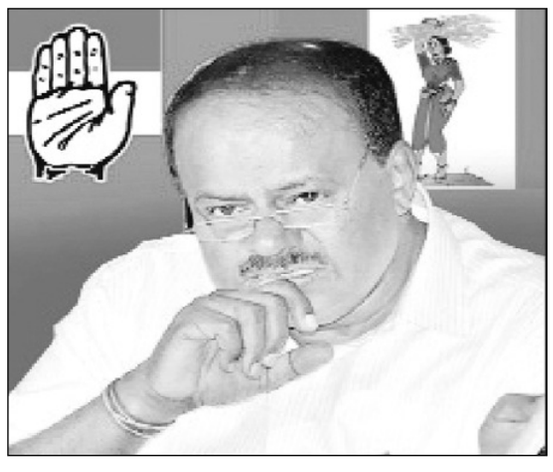

उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने हुए हैं। इसलिए कि कर्नाटक की समस्याएं हल करने के इच्छुक हैं। अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का अधूरा एजेंडा पूरा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री को एक और विवाद का सामना करना पड़ रहा है। वह है किसानों की कर्जमाफी का मुद्दा। जहां किसानों का एक वर्ग एक लाख रुपये की कर्जमाफी से खुश हैं, तो कुछ इसे अपने लिए फायदेमंद नहीं मानते। इस संवेदनशील मुद्दे पर उत्तरी कर्नाटक, कुर्ग, तटीय कर्नाटक में नाराजगी है। मामला यह है कि ऋण लौटाने वाले किसानों को मात्र 25 हजार रुपये की राहत मिलेगी। जिनने ऋण नहीं लौटाया है, उन्हें एक लाख रुपये की कर्ज माफी। इस मुद्दे पर स्थिति इतनी खराब हो गई है कि कुर्ग क्षेत्रमें पृथक राज्य की मांग तक उठने लगी है। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षो से कुर्ग में राजनेताओं द्वारा मांगों की उपेक्षा के चलते पृथक राज्य की मांग जब-तब उठती रही है। दूसरी तरफ, कांग्रेस भी विधानसभा में कुमारस्वामी के कामकाज से प्रसन्न नहीं है। कांग्रेस जोर देती रही है कि वह बराबर की भागीदार है। उसे भी राज्य पर शासन करने का अधिकार है। विवाद इस बात पर है कि तमाम प्रमुख फैसले मुख्यमंत्री के कार्यालय के स्तर पर किए जा रहे हैं। इससे कांग्रेस के मंत्रियों में नाराजगी है। सिद्धारमैया से समर्थन प्राप्त विधायक और मंत्री कुमारस्वामी को इस्तीफा देने को मजबूर करने के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। विधानसभा का चुनाव जीत कर आए बारह विधायक ऐसे हैं, जो पहले या तो कांग्रेसी थे, या जद एस के बागी। ये विधायक अपनी सुविधानुसार पलटी मार सकते हैं। नईसरकार बनाने में वे किसी भी पाले में जा सकते हैं। कुमारस्वामी के सामने इन बारह विधायकों को साथबनाए रखने की भी चुनौती है। सच तो यह है कि उन्हें साथ बनाए रखने में कुमारस्वामी को खासी ऊर्जा खपानी पड़ रही है। इन तमाम दिक्कतों का कांग्रेस के साथ सरकार बनाते समय जदएस को पहले से पता था। लेकिन कैमरों के सामने आंसू बहाने तथा कर्नाटक के लोगों को अपनी असहाय स्थिति का संकेत देने से बचा जाना चाहिए था। इससे संदेश यह जाएगा कि भाजपा के साथजाने से उनकी स्थिति इतनी असहाय नहीं होती। ऐसी खबरें थीं कि कुमारस्वामी भाजपा के साथजाना चाहते थे, लेकिन मीडिया में ऐसी खबरों से वे विचलित हो गए कि ऐसा करने पर उनके पिता एचडी देवेगौड़ा को पीड़ा होगी। आज कुमारस्वामी अपने फैसले से नाखुश हैं!

संक्षिप्त

रविवार को भी खुलेगा आरक्षण काउंटर

जमानियां (गाजीपुर), स्थानीय रेलवे स्टेशन पर अब रविवार को भी आरक्षण काउंटर खुलेगा। इस आशय का पत्र मंडल के वाणिज्य विभाग की ओर से जारी किया गया। यह आदेश २२ जुलाई से प्रभावी होगा। आरक्षण काउंटर सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक खुलेगा। कुछ तकनीकी कारणों से शनिवार को दूसरी पाली में आरक्षण काउंटर बंद रहेगा। दानापुर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय प्रसाद ने बताया कि यात्रियों की मांग को देखते हुए रविवार को सुबह के समय आरक्षण काउंटर खुलेगा। इससे यात्रियों को सुविधा होगी।

मां के डांटने पर युवती ने खाया जहरीला पदार्थ

महराजगंज, स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद नौतनवा के सरोजनी नगर की एक युवती कल शाम मां के डांटने पर घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौतनवा में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद नौतनवा के सरोजनी नगर निवासी त्रिलोकी की (१९) पुत्री आसमा को उसकी मां ने शाम को किसी बात पर उसे डांट दिया। थोड़ी ही देर में युवती घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों को जानकारी हुई। युवती को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौतनवा लाया, जहां हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घोड़े में मिला ग्लैंडर्स वायरस, दी गई मौत

फैजाबाद, तारुन थाना क्षेत्र के एक घोड़े में ग्लैंडर्स नामक खतरनाक वायरस की पुष्टि हुई है। वायरस की पुष्टि होने के बाद घोड़े को मौत दे दी गई। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार से पाजिटिव रिपोर्ट आने के बाद यह कदम उठाया गया, जिससे इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। गौरतलब है कि हर माह 20 घोड़ों के रक्त का नमूना जांच के लिए अश्व अनुसंधान केंद्र को भेजा जाता है। इसमें तारुन थाना क्षेत्र के एक घोड़े में ग्लैंडर्स नामक वायरस की पुष्टि हुई। पहले यह घोड़ा महबूबगंज में कार्यरत था, लेकिन काम बंद होने के बाद यह वापस अपने तारुन के नारायणपुर निवासी अपने स्वामी के पास वापस लौट आया था। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद पशु चिकित्सा विभाग ने इस घोड़े को मौत दे दी। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा. एके श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षण में घोड़े में ग्लैंडर्स की पुष्टि हुई थी। इसीलिए उसे मौत दे दी गई।

न्याय के लिए भटक रही महिला को मिल रही धमकी

सिद्धार्थनगर, कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने भूमि खरीदने के लिए पैसा दिया था, परन्तु सात बरस बीत गए अभी तक न जमीन बैनामा हुआ न पैसे की वापसी। विवश होकर महिला ने जब थाने में तहरीर दी तो अब उसे धमकियां मिल रही है। ग्राम तिवारीपुर निवासिनी जुगुरा देवी पत्नी राम शंकर ने कोतवाली बांसी के ग्राम बभनी निवासी शाह अली पुत्र युसुफ व अब्दुल कलाम पुत्र अज्ञात को सात बर्ष पहले दो लाख चालिस हजार रूपया जमीन खरीदने के लिए दिया था। बकौल जुगुरा देवी अब जब जमीन को बैनामा करने की बात कहती है तो उक्त महिला को धमकियां मिल रही हैं। परेशान होकर उन्होंने कहा कि हमे जमीन नहीं चाहिए। मेरा पैसा जो लिए है उसे वापस कर दीजिए तो उसमें भी काफी समय लग गया, जिसे देखते पीड़िता ने मजबूर होकर कोतवाली में तहरीर देकर प्रशासन से अविलंब न्याय की मांग की है।

जहरीला पदार्थ पीने से अधेड़ गंभीर

संतकबीर नगर, दुधारा थाना के ग्राम दरियाबाद बाग में कल दिन में अचेतावस्था में अधेड़ मिला। अधेड़ की पहचान उसके जेब से मिले आधारकार्ड के आधार पर अबूलैस (४५) पुत्र अजीजुर्रहमान, ग्राम कासिमपुरा, मऊनाथ भंजन के रूप में हुई। हालांकि होश आने पर उसने नाम भुटुर पुत्र अजीजुर्रहमान बताया है। पुलिस को उसके पास से जहरीला पदार्थ भी मिला है। पुलिस ने उसे आननफानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां से उसे संयुक्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। 100 नंबर पुलिस में तैनात जय प्रकाश और जनार्दन ने बताया कि कल दोपहर में मोटर साइकिल से गश्त कर रहे थे। तभी उन्हें अधेड़ बेहोश मिला। पास में ही उसकी मोटर साइकिल भी। दोनों ने उसके पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान अबूलैस पुत्र अजीजुर्रहमान ग्राम कासिमपुरा, मऊनाथ भंजन, मऊ के रूप में की। हालांकि होश आने पर उसने बताया कि उसका नाम भुटुर पुत्र अजीजुर्रहमान है। सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी में रोडवेज के निकट कपड़े की दुकान है। पुलिस परिजनों के संपर्क में लगी है।

पिस्तौल के साथ दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

अमेठी, पुलिस ने दो युवकों को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों युवकों के विरुद्ध विभिन्न थानों में दर्जनभर से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। संग्रामपुर पुलिस ने टीकरमाफ के पास दो युवकों को प्रतिबंधित बोर की पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक जेबी पांडेय ने बताया कि दोनों युवक सुल्तानपुर जिले के धम्मौर थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। बताया कि एक युवक की पहचान भीमी निवासी महेंद्र सिंह बबलू के रूप में हुई है। उसके पास नाइन एमएम की पिस्तौल और चार कारतूस बरामद हुए हैं। बताया कि महेंद्र के विरुद्ध चौदह मुकदमे दर्ज हैं। दूसरे युवक की पहचान इसी गांव निवासी सुरेश सिंह के रूप में हुई। उसके पास से भी अवैध पिस्टल और तीन कारतूस बरामद हुए हैं। युवक के विरुद्ध इक्कीस मुकदमे दर्ज है। दोनों को मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है। नाइन एमएम की पिस्टल कहां से मिली, इसकी गहनता से जांच की जा रही है।

नदी में गिरी कार, दो की मौत

वाराणसी, कचहरी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर वरुणा पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान चौकाघाट स्थित संजय नगर कालोनी निवासी लक्ष्मण सिंह (४५) व चौकाघाट के काटन मिल कालोनी के सुभाष कुशवाहा के रूप में पुलिस ने की।

जनता को बताने के लिए मोदी के पास कुछ नहीं–आरपीएन सिंह

गोरखपुर, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री व झारखंड के कांग्रेस प्रभारी कुंवर आरपीएन सिंह ने कहा कि साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी प्रधानमंत्री के पास जनता को बताने के लिए कुछ भी नहीं है। अपने को जनता का चौकीदार कहने वाले मोदी की चौकीदारी में आमजन की गाढ़ी कमाई का ७० हजार करोड़ रुपये लूट लिए गए और वे कुछ नहीं कर पाए। केवल जुमलों की बारिश से कभी देश का भला नहीं होने वाला है। वे कुशीनगर जिले के पडरौना नगर स्थित अपने आवास राजदरबार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हालिया दिनों में पीएम की पूर्वांचल में कई सभाएं हुईं हैं, लेकिन वे जनता को अपनी उपलब्धि तक नहीं बता पाए। कांग्रेस पार्टी व विरोधी दल के नेताओं को वे कोस रहे हैं, जनता सब कुछ जान चुकी है। कालाधन की वापसी, हर साल दो करोड़ नौजवानों को नौकरी, किसानों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोत्तरी, गरीबों के खातों में 15 लाख देने का वादा, गोरखपुर में एम्स व फर्टीलाइजर की स्थापना सब जुमला साबित हो रहा। कुंवर आरपीएन सिंह ने कहा कि एक वर्ष में एम्स को चालू करने का दावा करने वाली केंद्र सरकार उसके लिए अभी पांच फीसद धन की भी व्यवस्था नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की सभा में मोदी ने कहा था कि कुशीनगर में शीघ्र एयरपोर्ट चालू हो जाएगा। एयरपोर्ट के लिए भूमि व चहारदीवारी की व्यवस्था पिछली सरकार में ही हो गया था। भाजपा सरकार में टर्मिनल व एयर ट्रैफिक कंट्रोल बिल्डिंग नहीं बन पाई। ऐसा लग रहा कि पुराने भवनों पर ही संयंत्रों को स्थापित कर लोकसभा चुनाव के पूर्व पीएम का फीता काटने का इरादा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि महिला सशक्तीकरण का दावा करने वाली भाजपा सरकार में दरिंदगी जिस गति से बढ़ी है, वह सबके सामने है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशों में समान विचारधारा वाले दलों से लोकसभा चुनाव में समझौता की बात चल रही है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे बसपा नेता, मायावती ही गरीबों की सच्ची मसीहा

वाराणसी, मोदी-योगी के बनारस दौरे ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। परंपरागत वोट बैंक खिसकने के डर से हर दल अब चुनावी मोड में दिखने लगा है। छावनी क्षेत्र के मल्टीपरपज ग्राउंड में हुए बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में यह दिखा भी। पूर्वांचल के बसपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के मुख्य अतिथि और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद वीर सिंह ने कहा कि हकीकत में बसपा अध्यक्ष मायावती गरीबों की मसीहा हैं। वे दलितों, पिछड़ों, शोषितों के लिए जीवनभर संघर्ष करती रहीं। उनके द्वारा पिछड़े समाज को सम्मान देने के बाद अन्य पार्टियां दलितों व पिछड़ों की ओर देखने लगीं। कहा कि देश में जब-जब दलितों पर अत्याचार हुआ तब-तब मायावती ने आगे आकर बचाव किया। सड़क से संसद तक गरीबों की आवाज उठाई। दलित परिवार में जन्मे महापुरुषों की पहचान लोगों के बीच कराई। मायावती के हाथों को मजबूत बनाने के लिए अभी से कार्यकर्ताओं को जुट जाना होगा। चुनावी मोड में आते हुए घर-घर जाएं। लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराएं। उन्हें विश्वास दिलाएं कि जुमले वाली सरकार में उनका भला नहीं होने वाला। हर मोर्चे पर मोदी सरकार विफल है। ऐसे में सर्व समाज के विकास संग सुरक्षा का भाव बसपा में निहित है। पूर्व मंत्री व बसपा प्रदेश अध्यक्ष आरएस कुशवाहा ने कहा कि मायावती के पहले किसी पार्टी को दलित याद नहीं आते थे। जब मायावती राजनीति में आई तो उन्होंने दलितों का सम्मान शुरू किया और हर तबके के लोगों को मंत्री बनाया। बसपा में जब हर वर्ग का सम्मान होने लगा तो अन्य पार्टियां इससे चिंतित हो गई। इसके चलते ही अब हर दल समाज के पिछड़ों व दलितों को साधने में जुटे हुए हैं। पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने कहा कि यह अक्सर देखने में आ रहा है कि भाजपा सरकार में बसपा कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने कार्यप्रणाली नहीं बदली तो पार्टी कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। अन्य पदाधिकारियों ने कहाकि भारतीय जनता पार्टी अब आरएसएस का संविधान बनाना चाहती है, मगर अब यह सब नहीं चलेगा। जोनल कोआर्डिनेटर डा. रामकुमार कुरील ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वालों ने कुछ नहीं किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने चार अगस्त तक जिले की पूरी टीम बनाने को कहा। इसके लिए मंडल स्तर पर बैठक करने को भी कहा गया। साथ ही पूर्वांचल के कोने- कोने से आए कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे चुनावी मोड में आ जाएं। इस मौके पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुखदेव राजभर, पूर्व मंत्री कैलाश नाथ सिंह यादव, विधायक पप्पू आजाद, उमा शंकर सिंह, अशोक गौतम, घूरा राम, डा. सिद्धार्थ, डा. गीता, लक्ष्मण राम, हर्ष राजभर, सुभाष चंद्र शाहनी, अवनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसों में शिक्षिका समेत ७ घायल

अंबेडकरनगर, जिले में हुए सड़क हादसों में मोटर साइकिल की टक्कर से शिक्षिका समेत सात लोग घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस कर्मियों ने जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र के शहजादपुर निवासी अमरजीत (२३) पुत्र इंद्रजीत सुबह मोटर साइकिल से बहन रीतू (२६) पत्नी रितेश को स्कूल पहुंचाने जा रहे थे। वह अकबरपुर-दोस्तपुर मार्ग पर सिऊरा नाली के समीप पहुंचे थे कि सामने से आ रही मोटर साइकिल से टकरा गए। हादसे में दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। भीटी थाना क्षेत्र के बऊरे निवासी बृजेश प्रजापति (२२) पुत्र विलास प्रजापति सुबह मोटर साइकिल से बेला निवासी रंजीत सिंह (४०) पुत्र श्रीकांत सिंह के साथ घर से अकबरपुर आ रहे थे। वह अकबरपुर-महरुआ मार्ग पर स्थित रघुनाथपुर गांव के समीप पहुंचे थे कि पीछे से आ रही मोटर साइकिल की टक्कर से घायल हो गए। बेवाना थाना क्षेत्र के रसूलपुर दियरा निवासी रामकृपाल (३१) पुत्र जयराम जायसवाल सुबह मोटर साइकिल से घर से अकबरपुर आ रहे थे। वह रामपुर सकरवारी गांव के समीप पहुंचे थे कि पीछे से आ रही कार की टक्कर से घायल हो गए। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के भारीडीहा मजगवां निवासी राकेश तिवारी (२५) पुत्र अरविंद तिवारी सुबह मोटर साइकिल से घर से केदारनगर बाजार जा रहे थे। वह घोसियाना के समीप पहुंचे थे कि सामने से आ रही मोटर साइकिल की टक्कर से घायल हो गए। वहीं एक अन्य हादसे में सिद्धार्थनगर जिले के डिबूरवा थाना क्षेत्र के देरवहरी बाजार निवासी फैजान (२०) पुत्र नसीबुल्लाह घायल हो गए।

बुखार, डायरिया के चार मरीजों ने दम तोड़ा

इलाहाबाद, उमसभरी गर्मी बढ़ने के साथ संक्रामक बीमारियों ने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। डायरिया, पीलिया, बुखार से लोगों की दिक्कत बढ़ती जा रही है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग हर कोई किसी न किसी बीमारी की गिरफ्त में है। चार मरीजों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में अल्लापुर की बेला देवी, कीडगंज के सोनू, करेली के विजयानंद व सुलेमसराय की सौम्या शामिल हैं। जबकि अधिकांश मरीज कैंट, बेली कालोनी, बेली गांव, करेलाबाग करेली, राजापुर, गंगानगर, पुराना मम्फोर्डगंज, कर्नलगंज, अल्लापुर, पान दरीबा शाहगंज आदि क्षेत्रों के हैं। ताज्जुब यह कि संक्रामक रोग विभाग कहीं भी संक्रामक रोग फैलने की बात से इनकार कर रहा है। विभाग का कहना है कि इस बाबत उसे कहीं से भी शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर विभाग की टीम मौके पर जाकर जांच करेगी। कुल मिलाकर मतलब यह कि विभाग के लिए आंखों के सामने डायरिया की हकीकत से ज्यादा इसकी शिकायत आना महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि डायरिया, पीलिया जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण प्रदूषित पानी है, जिन मुहल्लों के मरीज आ रहे हैं वहां हमारी टीम दौरा करके मरीजों को दवा दे रही है।

अहमदगंज में फैला चिकन पाक्स, दर्जन भर लोग बीमार

कड़ा(कौशांबी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा के बारा हवेली आइमा ग्राम पंचायत के मजरा अहमदगंज में तीन दिनों से चिकन पाक्स फैला हुआ है। दर्जन भर से अधिक लोग बीमारी से पीड़ित हैं। सूचना के बाद स्वास्थ्य टीम दो दिनों से गांव पहुंचकर बीमारी से पीड़ित लोगों का इलाज किया। साथ ही नालियों में कीट नाशक की छिड़काव भी कराया गया। सीएचसी कड़ा क्षेत्र के अहमदगंज में कई दिनों से डायरिया फैला हुआ है। राशिद अली (४), साजिद अली (६), मोहम्मद आरिस (८), मोहम्मद असद (१०) फरीन खातून (१६) पुत्री महसर अली, महजबी खातून (१५) सना बानो (१०) आदि शामिल हैं। अधीक्षक डा. नीरज सिंह की अगुवाई में स्वास्थ्य टीम ने गांव में भ्रमण कर किया। इस दौरान बीमारी से पीड़ित मरीजों का इलाज किया। सीएचसी अधीक्षक डा. नीरज सिंह ने बताया कि गांव की नालियां साफ नहीं है। गांव में गंदगी होने की वजह से चिकन पाक्स फैला हुआ है। चिकित्सक ने प्रधान से नालियों की सफाई कराने की बात कही।

सांड़ ने अधेड़ को दौड़ा-दौड़ा कर मार डाला

सिकरारा (जौनपुर), छुट्टा सांड़ों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। चौरा मोहनदास गांव में कल अमरूद के बगीचे की रखवाली कर रहे अधेड़ को सांड़ ने दौड़ा-दौड़ा कर मार डाला। गांव के लोगों ने बताया कि बीते काफी

दिनों से सांड़ का गांव में आतंक था। अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। गिरजा शंकर सोनकर (५५) सुबह रोज की तरह घर से अमरूद के बगीचे की रखवाली के लिए निकले थे। इसी दौरान उन पर अचानक एक सांड़ ने हमला कर दिया। गिरजा शंकर ने बचने का काफी प्रयास किया, लेकिन सांड़ उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर मारता रहा। किसी तरह वह शोर मचाते हुए अपने घर पहुंचे और परिजनों को आपबीती बताई। आनन-फानन घरवाले उन्हें लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डाक्टरों ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। शव लेकर शाम को जब लोग घर पहुंचे तो परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी ऊषा देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। चार बच्चों में दो बेटियों व बड़े बेटे दिनेश सोनकर की शादी हो गई है, जबकि छोटा बेटा अभी पढ़ाई कर रहा है। अभी भी खुले में घूम रहे सांड़ को लेकर लोगों में भय है, जिसे स्थानीय लोगों ने पकड़ने की मांग की है।

हत्या कर तालाब में फेंका बालक का शव

कुड़वार (सुल्तानपुर), कूरेभार थानाक्षेत्र के सेवरा निवासी शुभम (६) पुत्र बैजनाथ वर्मा शादीपुर (महराजगंज) गांव में अपने मौसा रामशंकर वर्मा के घर रहकर पढ़ाई करता था। वह प्राथमिक विद्यालय महराजगंज में कक्षा एक का छात्र था। शुभम गांव के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। जिससे कोहराम मच गया। उसके रिश्तेदार देर रात तक गांव के चप्पे-चप्पे में खोजबीन करते रहे, मगर कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार भोर में गांव के पास तालाब में उसका लहूलुहान शव उतराता हुआ मिला। जिससे सनसनी फैल गई। इसकी सूचना मिलते ही कुड़वार थाने के प्रभारी निरीक्षक नंद कुमार तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। शव को बाहर निकाला गया तो उसकी हालत देख लोग सन्न हो गए। थानेदार का कहना है कि फारेंसिक टीम ने मौका-ए-वारदात का गहनता से निरीक्षण करते हुए नमूने संकलित किए हैं। घटना के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मृतक के रिश्तेदारों व परिवारीजन के मुताबिक उनकी किसी से रंजिश व दुश्मनी नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ होगा। सभी कोणों से मामले की जांच की जा रही है।

जनसूचना का अधिकार लगाता है भ्रष्टाचार पर अंकुश

मऊ, जनसूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने को लेकर जिलाधिकारी प्रकाश बिंदु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जन सूचना अधिकारियों एवं अपीलीय प्राधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयोग के रजिस्ट्रार जितेंद्र मिश्र ने बताया कि जनसूचना अधिकार अधिनियम के लागू हो जाने के उपरांत आमजन को अपने अधिकारों की प्राप्ति में काफी जागरूकता आई है। शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस अधिनियम को लागू किया गया है। इसमें हीलाहवाली करना ठीक नहीं है। समय से मांगी गई सूचना उपलब्ध न कराना अधिकारियों के लिए दंडनीय अपराध है। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि आरटीआई के संबंध में जो भी शंकाएं और जिज्ञासाएं हैं उसको दूर कर सुनिश्चित करें कि भविष्य में सूचनाएं उपलब्ध कराने में गलतियां न होने पाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसूचना अधिकार अधिनियम एक क्रांतिकारी अधिनियम है। इससे जहां कार्यों में पारदर्शिता आई है वहीं भ्रष्टाचार में भी निरंतर कमी आ रही है। जिन कर्मचारियों को एसीपी आदि का लाभ अनुमन्य होने के बावजूद नहीं मिल पा रहा था वे इस अधिनियम का सहारा लेकर अपने अधिकारों को प्राप्त कर रहे हैं। इसके पूर्व रजिस्ट्रार, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ललित कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी विजय शंकर राय, राजस्व अधिकारी हंसराज यादव, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी आलोक कुमार, जिलापूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी, अर्थ एवं संख्या अधिकारी, नगर क्षेत्राधिकारी, सभी उपजिलाधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

'शिक्षा का द्वार' बना काल का द्वार

प्रतापगढ़, लालगंज कोतवाली अंतर्गत रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय पूरे अनिरुद्ध में स्कूल गेट के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किए जाने का आरोप लग रहा है। चर्चा है कि जिस गेट के गिरने से छात्र की मौत हुई उसका निर्माण बेहद लापरवाही तरीके से किया गया था। घटना के पूर्व वहां कई बच्चे खेल रहे थे, जिनमें से अधिकांश अपनी कक्षाओं में जा चुके थे, नहीं तो और बच्चों की जान जा सकती थी। लोगों का कहना था कि लोहे के गेट के निर्माण में सीमेंट, सरिया, बालू आदि सामग्रियों के अनुपात पर ध्यान नहीं दिया गया। पिलर निर्माण में सरिया का प्रयोग नहीं दिखा। वहां मौजूद कुछ ठेकेदारों में चर्चा रही कि इसके निर्माण में करीब सोलह-एक के मसाले का प्रयोग हुआ है। लोगों का कहना था कि यदि सरिया, सीमेंट व मोरंग का प्रयोग मानक के अनुरुप होता तो शायद यह हादसा न होता और शिक्षा का द्वार काल का द्वार न बनता। स्कूल में कुल छात्रों की संख्या ५२ बताई गई। इसमें से बुधवार को २५ बच्चे ही उपस्थित रहे। लंच के दौरान खाना खाने के बाद स्कूल गेट के पास राज, अमन, आर्यन के साथ ही कुछ और भी बच्चे खेल रहे थे, लेकिन घटना से थोड़ी देर पहले कुछ बच्चे अपनी कक्षा में चले गये थे, कुछ गेट पर खेल रहे थे कि हादसा हो गया। यदि पहले गेट गिरा होता तो और बच्चों की जान जा सकती थी।

बस्ती में खुलेगा रेशम अनुसंधान प्रसार केंद्र

बस्ती, जिले में रेशम वस्त्र से जुड़े बुनकर और किसानों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सांसद की पहल पर यहां रेशम अनुसंधान प्रसार केंद्र की स्थापना होगी। यह जानकारी भाजयुमो महामंत्री नितेश शर्मा ने दी है। कहा कि २१ मई को केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी बस्ती दौरे पर आई थीं। उन्होंने यहां के बुनकरों को अनुसंधान प्रसार केंद्र देने का आश्वासन दिया था। जिस पर केंद्रीय मंत्रालय से स्वीकृति भी मिल गई है। सांसद ने कहा कि यह बस्ती के बुनकरों के लिए बड़ी उपलब्धि है। पहले रेशम अनुसंधान प्रसार केंद्र गोंडा में था। जिससे बस्ती के बुनकरों को कठिनाई होती थी। बस्ती में अनुसंधान प्रसार केंद्र खुल जाने से विकास का मार्ग और प्रशस्त होगा। कहा कि भारत रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और दुनिया में रेशम का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। देश में शहतूत और रेशम मुख्य रूप से कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल राज्य में उत्पादित होता है। झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और उत्तर-पूर्वी राज्यों में गैर-शहतूत रेशम का उत्पादन होता है। बस्ती में केंद्र खुलने से पूर्वांचल में इस उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। सांसद ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से मुलाकात कर आभार जताया है।

देवरिया की जनता के लिए समर्पित मेरा जीवन–शलभ मणि त्रिपाठी

देवरिया, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि देवरिया की जनता के लिए मेरा पूरा जीवन लग जाए तो भी कम है।

मेरा जीवन यहां की जनता के लिए समर्पित है। मैं जनता की सेवा करने के लिए राजनीति में आया हूं। आम आदमी और कार्यकर्ता अगर कही भी पीड़ित है तो मेरी प्राथमिकता होती है कि मैं उसे हर संभव सहायता करूं। सरकार हर गरीब के साथ खड़ी है। समाज के आखिरी व्यक्ति तक सरकार की हर योजना पहुंचाना मेरा प्रथम दायित्व है। त्रिपाठी दूसरी बार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बनने पर रुद्रपुर मोड़ स्थित एक मैरिज हाल में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देवरिया जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा दीपक मणि नामक एक युवक की जमीन गलत तरीके से रजिस्ट्री कराया गया व जमीन पर कब्जा कर लिया गया। उसके खिलाफ मैंने मोर्चा खोला व लोगों का सहयोग मिला। दोषियों को जेल जाना पड़ा। गलत कार्य करने वाले लोगों के खिलाफ भाजपा हमेशा ही आवाज उठाएगी। दोबारा प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी देने के लिए शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। शिव सहाय मणि डब्लू ने कहा कि जनपद को आज शलभ मणि जैसे युवा नेता की जरूरत है। इसके पूर्व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता का जनपद में आगमन पर विभिन्न जगहों पर जोरदार स्वागत किया गया।

बीईओ ने छापेमारी कर बंद कराए अवैध स्कूल

गोंडा, खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने टीम के साथ क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित स्कूलों में छापेमारी की। चार स्कूलों को बंद कराया। प्रबंधकों को नोटिस जारी किया है। बीईओ ने बताया कि टीम के साथ क्षेत्र के महादेव लघु माध्यमिक विद्यालय केशनगर ग्रांट पूर्वी (हिंदनगर), एमटीआरसी पब्लिक स्कूल, मानस स्थली पब्लिक स्कूल केशवनगर ग्रांट, आइडियल पब्लिक स्कूल घारीघाट व जय हनुमान शिक्षा प्रसार समिति पर छापेमारी की गयी।

रेल दोहरीकरण परीक्षण की तैयारी पूरी

भदोही, वाराणसी जंघई रेलखंड पर गत 14 जुलाई से प्रारंभ नान इंटरलाकिंग (एनआई) कार्य बुधवार की देर शाम पूरा हो गया। गुरुवार को अंतिम परीक्षण तथा चीफ कमिश्नर रेलवे (सेफ्टी) द्वारा टेस्टिंग के बाद नए ट्रैक ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा। सीआरएस एसके पाठक के आगमन की सूचना मिलते ही स्थानीय अधिकारियों के साथ मंडल स्तरीय अधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। वाराणसी-जंघई रेलखंड के दोहरीकरण का कार्य लगभग एक दशक से चल रहा था। इस क्रम में भदोही से सुरियावां तथा लोहता से कपसेठी तक दोहरीकरण का कार्य पूरा कर ट्रेनों का परिचालन भी किया जा रहा है। तीसरे चरण में सुरियावां-जंघई के बीच दोहरीकरण कार्य सम्पन्न होने के बाद गत माह दो जून परिचालन शुरू हो गया है। चौथे चरण में परसीपुर-सेवापुरी के बीच गत 14 जुलाई से एनआई कार्य चल रहा था। बुधवार की देर शाम तक काम पूरा कर लिया गया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को सुबह नौ बजे विशेष ट्रेन से प्रमुख आयुक्त रेलवे (सुरक्षा) एसके पाठक इस दौरान ट्राली के माध्यम से एनआई कार्य का परीक्षण करने के बाद विशेष ट्रेन को नए ट्रैक पर हाईस्पीड में दौड़ाकर अंतिम परीक्षण किया जाएगा। सब कुछ ओके होने के बाद सीआरएस द्वारा ट्रेनों के परिचालन को हरी झंडी दी जाएगी।

गरीबों को आवास व बीमारी में देंगे आर्थिक सहायता–अनिल राजभर

अमिलो (आजमगढ़), प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि गरीबों को

पेंशन, आवास व शौचालय के अलावा बीमार होने पर आर्थिक सहायता की दरकार होती है। सरकार यह सब मुहैया करा रही है। चौपाल के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में सठियांव ब्लाक के अवांव गांव स्थित मंदिर परिसर में भाजपा की जन चौपाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस गांव के गरीब पात्र व्यक्ति एक साल के अंदर पक्की छत के नीचे रहेंगे जो गरीब घास-फुस की छप्पर में रहते हैं उन लोगों को भी आवास योजना के तहत लाभांवित किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री की उज्ज्वला योजना का लाभ दिया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह के तहत गरीब कन्याओं का विवाह कराकर उन्हें राहत देने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। इसका लाभ उठाएं। जन चौपाल में भाजपा जिलाध्यक्ष जयनाथ सिंह ने सरकार की योजनाओं का बखान किया। अध्यक्षता छेदी राजभर व संचालन अखिलेश राजभर ने किया। इस अवसर ग्राम प्रधान मुन्ना सिंह, कमलेश राजभर, उमेश राजभर, धर्मेन्द्र राजभर, विनोद राजभर, रानू प्रताप राना, स्वतंत्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, अजय सिंह, सोनू सिंह, दुर्गेश सिंह, मनोज राजभर, प्रकाश राजभर, राधेश्याम, आयोजक सुरेन्द्र राजभर आदि रहे।

अन्नदाताओं की आवाज नहीं सुने अधिकारी, झांकते रहे बगली

चंदौली, विकास भवन सभागार में कल आयोजित किसान दिवस में सिंचाई का मुद्दा छाया रहा। विभाग से संबंधित अधिकारी किसानों को रोस्टर की बात बताते हुए इधर-उधर बरगलाते रहे लेकिन किसानों ने भी चेतावनी दे डाली इस बार नहरों में पानी नहीं तो अधिकारी किसानों का सामना करने को तैयार रहें। बैठक में देरी से पहुंचे जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल को जब अधिकारियों के गैरजिम्मेदाराना रवैये की जानकारी हुई तो वे विफर गए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा किसानों के खेतों को पहले पानी दें, उसके बाद खाद बीज की बातें करें। नहर, लघु डाल, नलकूप, मूसाखांड़, चंद्रप्रभा आदि के एएक्सईएन ने कहा गंगा में पानी की कमी से नहरों को रोस्टर वाइज 20 जुलाई से ही शुरू कर दिया जाएगा। डीएम बोले अधिकारी जो कमेंट करें उसे हर हाल में पूरा करें। 17 नलकूप खराब होने की सूचना पूर्व की बैठक में भी थी इस बार भी है। यह सरासर लापरवाही है। तीन दिन में नलकूप ठीक नहीं हुए तो संबंधित एक्सईएन पर कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ डा. एके श्रीवास्तव ने कहा नलकूप ठीक होते ही इसकी सूचना उनके कार्यालय में दें। नहरें कब-कब चलाई जा रही हैं इसका रोस्टर और नक्सा भी संबंधित एक्सईएन दें। इसके पूर्व किसान सुरेंद्र सिंह ने कहा सिंचाई के चलते जिले में मात्र 30 फीसद ही धान की रोपाई हो सकी है, धूप के कारण रोपित धान व नर्सरी सूख रही हैं, किसानों के पास तो अब धान का बेहन तक नहीं बचा। यह सब सिंचाई विभाग की लापरवाही के चलते हुआ है। इस आरोप पर एक्सईएन नलकूप ने सफाई भी दी, कहा गंगा नहर में पानी का अभाव है। ज्यादा समय तक नलकूप, पंप कैनाल नहीं चल सकते। नहरों को निर्धारित रोस्टर के हिसाब से चलाया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन के नेता रवींद्रनाथ सिंह मुन्ना ने कहा डेढ़गांवा तक नहर में पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। नगवां, धानापुर, भूपौली, नारायणपुर पंप केनाल को पूरी क्षमता से चलाया जाए। इस मौके सिंचाई, कोआपरेटिव, विपणन, कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

रोजगार मेला में ७७ लोगों का हुआ चयन

मिर्जापुर, अनगढ़ रोड स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय पर रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया। रोजगार मेला में 762 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जिनमें से 77 का चयन किया गया। हीरो मोटर कार्प में मशीन आपरेटर, ट्रेनी एवं सुपरवाइजर पद के लिए लिखित परीक्षा ली गई जिसमें 375 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। महिंद्रा ट्रैक्टर्स में साक्षात्कार के माध्यम से आठ का चयन किया गया। विनुथना फर्टिलाइजर्स में साक्षात्कार के माध्यम से सेल्स ट्रेनीज के लिए 24 का चयन हुआ। शिवशक्ति बायोटेक्नालाजी में सेल्स ट्रेनीज के लिए २१ का चयन हुआ। इसी प्रकार एमबीटी कृषि मार्ट के लिए 24 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारियों के अतिरिक्त सहायक सेवायोजन निदेशक रविशेखर आनंद, आनंद कुमार, केके कुशवाहा, विजय शंकर मिश्र, जावेद अख्तर, पीके वर्मा, महेश कुमार, महादेव, पवन कुमार आदि थे। रोजगार मेला के लिए कार्यालय परिसर में सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ लगी रही। आने जाने वाला रास्ता पूरी तरह से जाम हो गया था। सुबह दस बजे के बाद से चयन प्रक्रिया शुरू हुई।

दक्षिण गुजरात के वधई में पांच इंच से ज्यादा बारिश हुई

मध्य और उत्तर गुजरात में भारी बारिश : बडौदा में ४ इंच बारिश

सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के बाद अब मध्य और उत्तर गुजरात में बारिश का माहौल : और एक की मौत हुई : मृतकों की संख्या बढ़कर ३३

अहमदाबाद। सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में बारिश का जोर कम हो गया है तब मध्य और उत्तर गुजरात में भारी बारिश हो रही है। मध्य गुजरात में कुछ ही घंटों में पांच इंच से ज्यादा बारिश हुई है। दक्षिण गुजरात के वधई में पांच इंच से ज्यादा बारिश हुई है। डांग में चार और मध्य गुजरात में बडौदा में चार-चार इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इसी तरीके से डांग, आहवा, वधई में भी भारी बारिश हुई है।

आणंद, बोरसद, महीसागर अन्य सभी क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय बारिश हुई है। बारिश ने गुरुवार को भी अपना रूट जैसे बदल लिया हो मध्य गुजरात में बडौदा, पादरा, पंचमहाल, दाहोद सहित के क्षेत्रों में गुरुवार को भारी बारिश दर्ज की गई, जिसमें बडौदा में कुछ ही घंटों में चार इंच से ज्यादा बारिश होने पर पूरा शहर जैसे पानी-पानी हो गया। उत्तर गुजरात में अंबाजी, अरवल्ली के बायड, शामलाजी, पालनपुर सहित के क्षेत्रों में बारिश हुई। गुरुवार को लंबे समय के बाद आज बारिश ने उत्तर गुजरात के अरवल्ली के बायड, शामलाजी, पालनपुर सहित के क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है। बारिश के माहौल को लेकर स्थानीय लोग खुश हो गये।

मध्य गुजरात में बडौदा, पादरा, वाघोडिया, डभोई सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश हुई थी, जिसके कारण बडौदा और इसके आसपास के निचलेवाले क्षेत्रों में पानी भर गया। बडौदा में चार इंच से ज्यादा बारिश दर्ज होने पर अधिकतर क्षेत्रों में कुछ घंटों के लिए जलबंबाकार की स्थिति पैदा हो गई थी। स्थानीय लोग विशेष करके वाहनचालकों, नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राज्य में अभी मध्य भी एक नेशनल हाईवे और सात स्टेट हाईवे सहित ११५ से ज्यादा रास्ते बंद है जिसे लेकर लोग भयंकर परेशानी का सामना कर रहे है। राज्य में मॉनसून की सीजन की कुल बारिश ६१.१२ फीसदी दर्ज किया गया है। सीजन की बारिश को लेकर अभी तक में ३३ से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि १७५ से ज्यादा पशुधन की मौत हुई है।

भारी बारिश को लेकर राज्य के १३१ से ज्यादा बांध में पानी की उल्लेखनीय आय हुई है। विशेष करके नर्मदा बांध का जलस्तर १११.२३ मीटर पर पहुंच गई है। बडौदा से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, देर रात को भारी बारिश की शुरूआत होने के बाद गुरुवार को बारिश जारी रही। जिसके कारण सभी क्षेत्रों में पानी भर गया है। बडौदा में कुछ ही घंटों में चार इंच से ज्यादा बारिश हुई है। भारी बारिश के कारण सिटी बस सेवा को बंद रखना पड़ा।

सुबह में भारी बारिश के कारण स्कूल जाते बच्चों और ऑफिस जाते लोग फंस गये। बारिश संबंधित घटना में और एक की मौत अरवल्ली में गुरुवार को हुई थी। इसके साथ ही मौत का आंकड़ा बारिश संबंधित घटनाओं में बढ़कर ३३ पर पहुंच गई है। दूसरी तरफ भारी बारिशग्रस्त क्षेत्रों में बचाव और राहत कामकाज चल रहा है।

कहा कितनी बारिश दर्ज

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, १८ जुलाई।

दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और आज मध्य और उत्तर गुजरात में भारी बारिश जारी है। आज कहा कितनी बारिश दर्ज हुई ये नीचे के अनुसार है।

स्थल	बारिश (इंच में)
वधई	५ इंच से ज्यादा
डांग	४ इंच से ज्यादा
वडोदरा	४ इंच से ज्यादा
धनसुरा	३ इंच से ज्यादा
पारडी	ढाई इंच से ज्यादा
उना	२ इंच से ज्यादा
बोरसद	२ इंच से ज्यादा
अंबाजी	३ इंच से ज्यादा
सापुतारा	ढाई इंच से ज्यादा

सूरत में तापी जन्मोत्सव का महा आयोजन

सूरत। गुरुवार को तापी जयंती महोत्सव पर तापी मैया के उदगम स्थल से लेकर समागम तक के सात ऐतिहासिक तीर्थ स्थल मुलताई, भुसावल, शिवधाम बारहलिंग, बुरहानपुर, नीमगव्हा, प्रकाश व सूरत में तापी माता को 108 मीटल लम्बी चुनरी सुअर्पित की गई। सूरत में नावड़ी ओवारा पर महिलाओं और पुरुष सभी ने नाचते गाते चुनरी चढाई। कपड़ा बाजार के 80 से अधिक मार्केट परिसरों में भी जीण संघ द्वारा पूर्व में भेंट किये गए ताी जलपात्र का सभी व्यापारियों ने बड़े ही धूमधाम से सामूहिक पूजन व महा आरती की। और इस अवसर पर मां तापी शुद्धिकरण की शपथ ली गई।

वाडज, आनंदनगर, कारंज, बापूनगर में चोर घुसे

कई इलाकों से ११ लाख रुपये के मालसामान की चोरी हुई

रिलीफरोड की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने ६.१७ लाख रुपये की नकद चोरी करके फरार : पुलिस जांच

अहमदाबाद। शहर में चोरों का आतंक कायम रहा है लेकिन शहर पुलिस को अभी चोरों के आतंक को रोकने के लिए जो सफलता मिलनी चाहिए वह नहीं मिली है, इसे लेकर शहर पुलिस के विरूद्ध प्रश्न उठाये जा रहे है तो नागरिकों द्वारा पुलिस के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त की जा रही है। शहर में अलग-अलग इलाकों में हुई चोरी की घटना में शहरीजनों को ११ लाख रुपये का मालसामान गंवाया है। चोरों ने शहर के वाडज, आनंदनगर, कारंज और बापूनगर इलाके में चोरी की। पुलिस ने यह सभी मामलों में जरूरी अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, वाडज इलाके में स्थित आरबीआई ऑफिस के निकट प्रक्षनाथ चैम्बर में स्थित एक ऑफिस का लोकर तोड़कर चोरों ने १ लाख रुपये की नकद रकम, लेपटोप और हार्डडिस्क मिलाकर दो लाख रुपये की मालसामान की चोरी की। जबकि आनंदनगर में १०० फीट रोड पर स्थित आनंदनगर फ्लेट के एक मकान को चोरों ने टार्गेट बनाकर मकान का ताला डुप्लीकेट चाबी से खोलकर तिजोरी में से २.१६ लाख रुपये की कीमत के सोना-चांदी के गहने की चोरी की। इसके अलावा कारंज क्षेत्र में रिलीफरोड पर पथ्थरकूवा के निकट स्थित आरजू एन्टरप्राइज नाम की दुकान का चोरों ने ताला तोड़कर ड्रोअर में से ६.१७ लाख रुपये की नकद चोरी करके फरार हो गये थे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तुरंत पहुंचकर डॉग स्कवोर्ड की मदद से गहन जांच शुरू कर दी है। लेकिन अभी तक कोई निश्चित जानकारी नहीं मिली है। इसी प्रकार से बापूनगर में सोनी की चाली के पास शुभलक्ष्मी एस्टेट में स्थित एक कारखाने में चोरों ने घुसकर वर्कशोप में से ६० किलो कोपर वायर, १०० नंग बेरिंग, इन्स्युलेशन वायर के ६ बंडल मिलाकर करीब ५० हजार रुपये की मालसामान की चोरी करने पर पुलिस ने यह घटना के मामले में अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत। सूरत से भाजपा के द्वारा नवसारी में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजकर कर सूरत महानगर पालिका के द्वारा प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के बाद भाजपा कार्यालय से लोगों को फ्री में कपड़े की थैली देकर जागरुक किया गया।

वस्त्रापुर रोड पर एएमसी की ओर से मंदिर तोड़े जाने से लोगों में उत्तेजना देखने को मिली।

एक करोड़ रुपये तक कैश रखने की हो छूट

अहमदाबाद। काले धन से संबंधित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने नकदी रखने की सीमा को बढ़ाकर १ करोड़ रुपये करने का सुझाव केंद्र सरकार को दिया है। एसआईटी ने पहले २० लाख रुपये तक कैश रखने देने की सिफारिश की थी। एसआईटी प्रमुख जस्टिस (सेवानिवृत्त) एम बी शाह ने आज यहा कहा कि एसआईटी ने यह सिफारिश भी की है कि जब्ती के दौरान संबंधित सीमा से ज्यादा पाई जाने वाली राशि को सरकारी कोषागार में जमा कराया जाना चाहिए।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com